१३८२

गरबीसंग्रह. ભા. ૧

१३८२

बुकसेलरनगनजीवनदासदलपत

रामेछपावीप्रसिद्धकरी·

आवृतीजीजी. I 49

1881

अमदावादमां

शाहपुरमांचनराणीवांकानीपोळ

मांपोळमांपटेलजगजीवन

दासकरशनदासेपोता

नारीणाप्रेसमांछापी·

संवत१९३८

सने१८८२

१३५० ।होरी संग्रह ॥



।।श्रीगणेशायनमः।। ।।अथहोरीः

होरी काफी की छे।। ।।ताल दादरी।। ।।

पद्यपीद्युं।। ।।सांवरा मत डारो पीचकारी।।

लगेगी मात हमारी।।सांवरा।।हा मत डारो

रन्न्हसें रही ज्यो।।मैं कुइन्या कुमारी।।तुम हो

निरलज मेंन..। ज्येसी।।हो गी मुजसें गारी

।।हुवेली होयगी तुमारी।।सांवरा मत डारो पी-

चकारी।।२।।ज्येसी ह मा होय हैया मैं।।तो पत

ऐोने नोत मनारी।।नन्द के पत्त ज्यो नरी।।घम

तकुं।।मैं कुं जाल हुं मारी।।हुं देत वर मात हमा

।।सांवरा मत डारो पीचकारी।।२।।पर नारी

कोपालव पेकस्यो।।मोहन मन बिच्यारी।।मा

त तात तोरे वृद्ध लयेहै।।राज कुं सक्से लारी

।।कहुं तुम सें जीवतारी।।सांवरा मत डा

रो पीचकारी।।३।।ज्यागु पेकर कर मेरी सुंद-

...जोवन ज्योरसें झारी।।सूरदास प्र-

भु नंद कुं।।जोलत प्रज की नारी।।

पीतांबर लेउंगी ॥ जोतारी ॥ सांवरा मत
डारो पीचकारी ॥ ४ ॥ ॥ पद ५ ॥ २ ॥
॥ ॥ राग होरी ॥ ॥ पदप्रीलुं ॥ ॥
सांवरो हजु अजे नहीं आयो ॥ हीगन बनूना
बनलायो ॥ सांवरो ॥ टेक ॥ अनबीनताको-
संग छोरके ॥ मधूबन बनर्ग बसायो ॥ घ-
सीकुरी पटराणी बनयके ॥ गोपीनाथके बनाम
लबनयो ॥ कुंथकुंबनको कहायो ॥ सांवरो हु
जुअजे नहीं आयो ॥ १ ॥ तलबत छोरो अ-
बमें राधीका ॥ कृष्ण द्वारीकामें छायो ॥ कहाकु
कुंकुम बनबजि सबासी ॥ घासीके मीतरयो
रायो ॥ गरलयाकुं घोर पीलायो ॥ सांवरो अ
जहुं नहीं आयो ॥ २ ॥ अक्रुर रहे अक्रूर कहांसें
आयो ॥ घर घर होरी बनायो ॥ अजहु ताही
री बलत छतीयनमें ॥ स्वपने सुपन पायो
॥ हीरहो कहांसें हगन आयो ॥ सांवरो अ
जहुं नहीं आयो ॥ ३ ॥ लीजलीज पतिग्रं
तीयां बलत हैं ॥ उधोकुं भीषीप

वीघाता॥ अधिक संतापे॥ कुबरीके मन लायो
॥घीन नहीं अंत बनायो॥ सांवरो अजहुं न
हीं आयो॥४॥ जे हरही मेरो हरह न अन्यो॥
कमीको नेरन नायो॥ सुरदास अबलाकी
बीनती॥ कत के मनको लायो॥ केपरलुं
न लगायो॥ सांवरो अजहुं नहीं आयो॥५
॥पद चुंगारे॥ ॥पद त्रीजुं॥ ॥
सांवरे सें कहीयो मोरी॥ कहीयो मोरी सुनाये
यो मोरी॥ सांवरे से कहीयो मोरी॥टेक॥ ॥
अंहा मन सें गीधवको आजे॥ सुनके साथी
सब होरी॥ कहक मकुं नंदलाल मीलाओ॥
नातो दीयो जी अघोरी॥ कही कहा कमनेयो
री॥ सांवरे से कहीयो मोरी॥१॥ रीतमा
ऊंपर नग्रही लीनो॥ कहुं जीनती करनेरी॥
अैसी कुकहा परी मोसें॥ प्रीत पीछली तो
री॥ सुरत नाहीं लीनी मोरी॥ सांवरे सें कहीयो
मोरी॥२॥ लुअन वक्र सजही तन दीनो॥
नजी सरोरी॥ विलूत लगा छे अग

नहोई जैठी॥ तेरो ही ध्यान धरयो री॥ जे गेय
ली जाई यां की सो री॥ सांवरे से कहीयो मो
री॥ ३॥ नींद हीन व्याकुल फीरत राधीका॥
ग्रेह वीधातन ध री॥ स्याम तुम दुंद्त कुंजन
में॥ वीवीर॥ जटा ग्रह छोरी॥ पलो कहां फेरीहो
री॥ सांवरे से कहीयो मोरी॥ ४॥ रोम रोम जो
ग छाई रह्यो है॥ मन में वैरपनो री॥ सुरीया-
म जीन सें ज कहीयो॥ गा जीं गी कीरतन तोरी
॥ पा पन हीं रहत रतो री॥ सांवरे से कहीयो मो
री॥ पा॥ ॥ पद धु ३॥ ३॥ ॥ पद स्यो धुं॥
राग होरी॥ ॥ सांवरे सी जी जेग पढायो
॥ जी पट नी ठौर कह्यो॥ सांवरे॥ टेक॥ ॥
जंग वि लूत गले मृग छाला पसो जीन के मन
लायो॥ कुंजन कान लगी है नज सु॥ जे ही
मंत्र पढायो॥ प्रेम को नेन छोरायो॥ सांवरे जी
जी जेग पढायो॥ ॥ जीन कु देष कछुन पदीके
॥ संगत गुन जी पन्यो॥ वा को कंथ कह्यो जी-
ला जनजायो॥ सांवरे जी जी के

राग जेठ दीन मो जे ओर्छ अयानक ॥ दुसन रं-
ग छर ऋायो ॥ नीलांबर पीतांबर उपर ता
ल तंबोलन छायो ॥ मानुं मघवा लरीला यो
॥ सांवरे ली भी न्ने ग पठायो ॥ उा वादीन झीसु
घ लूल गई री ॥ झलर नेन लरायो ॥ हांहां झ
रत दूरत हे लालन ॥ जो हात रंग लेहेरी आ
यो ॥ पद्रकर नाचन आयो ॥ सांवरे ली भी
॥ बा द्दीन द्दोर लयो अनमेरो ॥ प्रीताय
तुरयो ना जो ॥ मंगल घासत न) ब्रजवीना ॥
नर्छ द्वारी कामें छायो ॥ श्रीजीन ही दरशन पायो
॥ सांवरे ली भी न्ने ग पठायो ॥ पा ॥ पद्ये हुं
॥ ७ ॥ ॥ पद पाये हुं ॥ ॥ राग रेदी ॥ ॥
सांवरो नीझी जेनु जल्नवो ॥ जल्नवो ॥ सांवरे
गाटझ ॥ ॥ घर घर जेगोपी पीयली जावो ॥ कु
नमोरली कुंज पावे ॥ कोई सजीलाल मृदंग ब
जवे ॥ कोई नाचे कोई गावे श्याम जो ई जाति स
जे पावे ॥ सांवरे नीझी जेनु जन्नवे ॥ ॥ कोई
ी जनीर गुलाल उडावे ॥ ॥ कोई पीचकारी

चलावे॥ ६ ऐसपोसीगीतम फुंगीतीफुंकके॥मन
मोहनकुंवरीआवे॥ स्यामहेपीमोछोजढावे॥
सांवरोनीकी०॥१०॥ ब्रह्मामहेश्वरनारदहेव
मुनी॥ कौतीकदेखन आये॥ नाचतलये
अपछरामुदीतमन॥ तानमेंतानमिलावे॥
स्यामहेपीमोहचढावे॥ सांवरोनीकीजेन०
॥७॥ लचलचदारलयोत्रीलोकनमें॥ दुली
देवसुनावे॥ मुक्तानंदलाल्य ब्रजललनको॥
नीगमअगमगुनगावे॥ सारदासुखपावे
॥सांवरोनीकीजेनजलवो॥८॥ ॥पदपुरुं॥
॥ ॥रागहोरी॥ ॥पदछठुं॥ ॥
सांवरोरंगडारगयोरीगयोरी॥सांवरो॥टेक
॥ ॥मैंठाढीथी अपनेभुवनमें॥ आजोढनकु
मोअनारीआवे ढाढो ढुमकी छैया॥ हथली
योपीचकरी॥ स्याममोहे तनमुखअंगरी॥ सां
वरोरंगआर गयोरी॥१॥ सुरपुवायंदनजो
रअबरगल॥ मृगमदपीय ॥भीगाललपीक
चढारीचलोरे स्यामसेंा॥ मेंबाजलालनकीरं

री॥ मा॰ धनघमकीहोरी॥ सांवरोरंगडा॰

योरी॥ [illegible] छूटीसेरी [illegible] नणदीयां॥

जी॰ जी॰ हैगीगारी॥ यहनगरकेलोकय

हे [illegible] बात [illegible] री॥ सबीडरलागत

लारी॥ सां॰ रो॰ ॥३॥ लाल॰ [illegible]

योहे॥ केन [illegible] नरी॥ [illegible]

तक [illegible] नो॥ जोसोहीहीगवीह [illegible] री॥ लाज॰ तो

रे मुजपरवारी॥ सां॰ रो॰ ॥४॥ ॥ पेघा पु

गुघा ॥ ॥ बागत [illegible] ॥ [illegible] ॥ त॰

॥ ॥ सांवरो मो॰ रंगमें रोरीरोरी॥ सां

वरोबारेहा॥ जहीयांपेहरक रीरंगगरीयां॥ छो

नायके [illegible] रो॥ [illegible] कुंजी ॥

डारीगुलालजोरी॥ गावनलागे मुजसेहोरी

॥ सां॰ रे मोहुं [illegible]

[illegible]

रोलूक मोहुं रे पकरी॥ जीवनन जलन्नेरी॥ म॰

[illegible] सांवरे॰ ॥ ॥ तजमेरो

ने रकछु जेनपाल्यो॥ मातक [illegible] नकुना॥ ॥

तनमेंजीनकुंनेहसेंपायगामतननोमोकुंलेरी।
ननुं प्रीतकीचोरी॥सांवरे॥३॥मेरेमन
हमेरीकरघुंजेनर[redacted]ी॥कयुंजेकीकसतोरी
॥सुरदासप्रभुतुमारेमिलनकुं॥मोकुं रं
गमें रोरी॥[redacted]
[redacted]
[redacted]॥सांवरेपीय
[redacted]वीजारी॥सांवरे॥२॥राग॥स नलाचल॰ तीन॰
मु[redacted]जलसारी॥ जेरपीठाढो
कदमकीछैयां॥हाथिलीयोपीयकारी॥सखी
मोकुंमोहपरमारी॥सांवरेपीयकारीजारी॥
॥सासुबुरीघरननदीहठीली॥जीन्नजी
न्हेंगीगारी॥ जेहनगरकेलोकचवैये॥
कुंपकीरीतहैन्यारी॥मोकुंडरलागतलारी
॥सांवरे॥२॥प्रेमघानन ।किंनशलनमें॥मो
हनजेलेहोरी॥अक्नोठाढाकृष्णसांवरो॥अ
कुजोरवांघेप्यारी॥सखीहेमनहारी॥सांव
रे॥३॥लेकरगुलालमेरे मुखपरडारो॥ना

[redacted] मनमें भी प्यारो।। नवलदास मोहे अमृ
तलागे।। जेसी जात बिहारी।। लालतारे-
आप [redacted] परोपा।। ।।पद २६।। ।।
रागहोरी।। [redacted] ोरी खेलन
आयो।। आयो।। सांवरो।। रेश में दधी लेय
नगर छैती भृंदावन।। मारग आडे पारयो
।। नही मार मेरो सब जर दोलायो।। माखनलु
टी खायो।। जेन सोदानजे दान नयो।। सांवरो हो
री खेलन आयो।। १।। भृंदावन की कुंजगलन
में।। खेल लारे मचायो।। लाल [redacted]
रगडायो।। मुठी भरभर धायो।। सांवर ना
हर छायो।। सांवरो।। २।। सब सखीयां मील मोहे
न घेरयो।। रंग हेडनेरी आयो।। सुरवास प्रभु
ती हारे मिलन कुं।। चरन कमल चीत लायो।।
सखीमेने महाशुखपायो।। सांवरो।। ३।।
पद।। पद २८।। ।।राग होरी।। पंजा।। ।।
सांवरे रंग धूम मच्यो छै।। मच्यो छै।। सांवरे।। टे
र।। धुवा धुवा अंदन अजिर अजरंगलालना।। सं-

गलीयो दो॰ लाधाकार दरकं ...
डारीाा छीरकुल छल चीतधार्छीा॰ नकुडहला
अरलाधीासांवरे ापाोाररवीरीाा॰ नंदमसे
मीताा गलजाली मलत सुकार्छीा सुंदरणद
नकमलदललोमना बोलेमंदमुसकार्छीा
छबीजरनीनन्नर्छीा सांवरे ाराातालमृद
गमंगादद बाजताा सुनगोपीसब आर्छ
ाछीरक रंगरीामकेतनपरा अरसपरसणीर
आर्छाादेसुध सब जीसरार्छीासांवरेाा३ाा
रूपमुनीयरविज्ञानीाा जीवरतगीरतजर्छ
ाामुक्तानंदश्याम सुंदर संगाप्रीतजज-
नईछार्छीामोदगइदीनोदेडार्छीासांवरेरंग
घुममचार्छीा४ाा ापदापुर्णााा ाा
रागहोरीाा१ाा ाश्याम छोजोबईयां
मोरीाा रैनरहगर्ई थोरीाा श्याम छोडोाटे
कााा अपअपने मंदीर सें नीकसीाा जोकश्या
मदुष्ण गोरीाा रहोरे श्याम तुम सें इगुवा-
लणीगीाा केसे कहूं जाल न्नेरीाा श्याम छो-

डोऽ गीयां मोरी॥ रेहेन रेहे गई थोरी
॥१॥ तीन पोहोर पीया र मसे न्नगी॥ रस
र पेटना लरे री॥ अन्कु श्याम तुम तर पेल
नाहीं॥ मैं नार ठगारी॥ श्याम छोडोज-
हीयां मोरी॥ रेन रेहे गई थोरी॥ २॥ स्त्रा
कुंजली मेरी जागही ठगारी॥ दीयरीयाक
योरी॥ छोडोगीया मेरे प्रातः लयोहा॥ पत
ना रहेंगी तोरी॥ श्याम छोडो जहीयां मोरी
॥ रेन रेहे गई थोरी॥ ३॥ अंहा अन में घुमम
गीहे॥ जेलत यांया गोरी॥ कुश्याम प्रलु
तुमारे मिल-ह॥ अरन ह्रुह रन्नेरी॥ श्या
म छोडो जहीयां मोरी॥ रेहेन रेहे गई थोडी॥
४॥ ॥ ध्युं॥ ५॥ ॥ राग होरी
॥ ५॥ ॥ सन्यीदानंद जेले होरी॥ रघु
नंदन जेले होरी॥ टेक॥ ईत्तने में से ऊीनकुंसी
खावता अजीर लरलर न्नेरी॥ ऊीत अंगद
हनुमान जीलीषना॥ लान्की तान अथी
री॥ कहे मुख ारी होरी॥ सन्यीदानंद जेले

होरी॥रि॥ अबिर गुलालअरगजकुंमकुंम
रारे नरगागर घोरी॥ तअरसंत न अर
टाजाअत॥रंगधारीरीअलगोरी॥ममकुंगे
लाजन गोरी॥सखीहानंदपेलेहोरी॥रा
आनंतताल नृदंग पखावज नाग तहेले
री॥रंगमार पडेसीरऊपर॥अपतहे तनस
री॥लरीसीपलट स्तारीर सखीहानं खेले
होरी॥गगनविमान हेव सजहेखे॥जा
नंदरंग बढोरी॥हासखीहेही जेहीमनला
यो॥अविचलहोयहजनेरी॥लुनअहीली
नमोनी॥सखीहानंद॥४॥पदपुर॥
रागहोरी॥५॥ ॥प्रीतममेरोप्रान
हरोरी॥हरोरी॥प्रीतममेरो॥टेक॥अयुंमछ
लीजलविनानजीये॥जेसोरंगअन्योरी॥
तलपततलपत मेरोप्रानजतहा॥तुमकुंड
घुनहीं योरी॥भवनमोहेजहुंडरोरी॥प्री
तम॥१॥केसररंग कुंजलपरडारो॥रोमरोम
रंगभरोरी॥हांजउअवअडघुजेनकुंके

।।अंतरा२।।गल गोरी।। रीझीरीझ डोल
हीरोरी।। प्रीतम मेरो प्रान हरोरी।।२।। सुरती
[illegible]
री।। तुंही तुंहीरहूनी सजासी।। नर्छऐ नीर
लरोरी।। प्रेमको इंदपरोरी।। प्रीतम मेरो प्रान
हरोरी।।३।। [illegible] हावन संगही यो रुष्यी।।
[illegible] जलयोरी।। संत दास रनमसाम
रहद [illegible] ।।४।। हो छैसा न रनम ल्योरी।।
[illegible] तिलयो [illegible] प्रीतम मेरो [illegible] ह
रोरी।।४।। ।।पद ३।।१।। ।।
रागहोरी।।१७।। ।।अरज्यो मेरो पी
रमोरारी।। मोरारी।।अर [illegible] राग
रसंग भेंरे सीरपर लरही।। सुरीयां मरोर [illegible]
रीसारी।। रेसम बंध [illegible] ।। [illegible]
[illegible] मील्यो [illegible]
[illegible]
[illegible] ।। [illegible] ।।
जेसी रीझि [illegible] ।। [illegible]

बनमाली॥श्रीनंदजूबसवो होरी॥जरदक्योमे
रोवीर मोरारी॥२॥श्रीबृंदाबनशें कुंजगलनमें
॥मो .नखेलेहोरी॥ चंद्रसखी लनबालकृ-
ष्ण छब चरनकमलती .रां॥ अबरा जोला-
न .मारी॥जरदक्यो मेरो बीर मोरारी॥३॥ ॥
पद॥पु ॥१४॥ रागहोरीपी॥ ॥
.गनहसे खेलुंहोरी॥होरी॥फागनमारेहरा॥आ
यो [illegible] लहूल्यो॥
पीयाबिना बसंतनलावे॥लेबनजागन
श्योरी॥मोहे [illegible] होरी॥[illegible]
खेलुंहोरी॥[illegible]॥आ
[illegible]
तबदीओ॥क पीयाआनलेरी॥नां तो मेरो प्रा
न तजेरी॥फागनाहे से खेलुंहोरी॥२॥थुंकरने
ह ी ॥ आ [illegible]॥ .गन खेलनखेल्योरी॥
चंद्रसखी लन बाल [illegible] छब॥श्यालन
दासरज्ये री॥मझ्या रंग [illegible] री॥फा
गनाहेसखेलुंहोरी॥३॥ ॥पदधुरापी

।। ।।राग [redacted] ।। ।।अवन
मेंहरीहोरीमच्याधे।।मच्याछे।।अवनमें।धेहा
उ [redacted] छुरत
पो।यकारी।।अंदावनकी॰ नगलननमें।।कुमकु
[redacted] रीा।रियामसंगखेलनआईस
अवनमें हरी होरी मच्या।छे।।धा [redacted]
स्या।। [redacted] से धरकन्हाधे।।खेलतहुगप
रसपरहिलमिला।।के खुखजरएयोनन्दघी।
नंदघरजानतजधाघो।। अवनमें हरी।।।।राधे
सानकरीसखीयन।।झुंडझुंडउठधाधे।।।
[redacted] र [redacted]
लेआधे।।लालकुंतोनायन [redacted]
रीहोरीमच्याछे।।३।।मोरलीपीतांबरलीयो।
रेछीनाधे।।रीीरघेर नरीझोदाछे।।बीहि
लालनेनोंबीयदानरा।।नक केसरपेहराछे
।।मानुनवीनारजना।छे।।अवनमेंहरीहोरी
मच्याछे।।४।।र सकलहे मुखमोरहूसलहा।
कहांरेगईयतुराई।।कहांरगयेअबपिता।

तुमारो कुंवारे नसो मति माधो लेत जोर
तुम कुं छोडाधो॥ ब्रजमें हरी होरी मच्याधो॥ पै
॥२॥ गुवाल वीनगी सजजनने हेवीनगी॥ करीयो
होरी वीपाधो॥ हो चुकायकसर सबहीनकी॥
तुमहो म्योर कन्हाधो॥ होत घंघी मांजन जा
धो॥ ब्रजमें हरी होरी मच्याधो॥३॥ रासजीला
सरम्योहें श्रींदावनमा॥ श्रीजजीनलाल कुरार्धे
॥४॥ ये रीया सजेरी जुगलबरवा॥ कुंवर सजल
नधाश्रीत वीसन कैनसा माधो॥ ब्रजमें हरी हो
री म॰ धो॥७॥　　॥पद १॥१८॥　　॥
२ धाकेदीसा॥　　॥पकरे अनबन गीरधा
री॥ पकरे ॥ रेहा वीनंग सरीगोपी म्वलीजाधो॥
जेलमच्यो हेलारी॥ जेपलीये पीतांबर मोर
ली॥ हांहां करत गोरारी॥ हसत लेकर तारी॥
पकरे अनबनगीरधारी॥ ॥ झाजझांजडफ॰
सनको॥ भीतलीयो छुडारी॥ कबेरी पीतां-
बर मागो॥ दो मोरली यां मोरी॥ जजलर्छे जी
नतुम्हारी॥ पकरे अनबनगीरधारी॥ २॥ न

कुंजपत मुनीवर वीधीजननी।। सकलवासना
टारी।। चारदवोषेजको गीरनपावे।। जे [illegible]
तत्रिपुरारी।। ता गोपीदेवत गारी।। पकरेजब
जनगीर्धारी।। ३।। जयजयकार जयो त्रि-
लोवनमें।। दुलीदेव सुनाथी।। मुक्तानंद ल्ला
[illegible]
मथ्नकीनी जनकी नारी।। पकरे जब जनगीरीधा
री।।४।। ।।पद् २।।५७।। ।।राग गे
रीा९२।। पुछुं मे जंजनाके वरसों।। लंकाके सी
जलाधी।। टेक।। लंका कोट समुद्र थीखाई।।
राम लछुमन दोनुं जाई।। वायुसुत ले सोक्रम
किनो।। कुद न आये लंका मांही।। पुछुं मे जंजनी
के कुंवर सों।। लंका के सीजलाधी।।१।। सबरे लंका
को दुर्ग मंगायो।। आगवाके पुछ बंधवायो।। की
रकीरके सन [illegible] ।। जे सो जल रेदेखायो
।। पुछुं मे जंजनीके कुंवर सों।। लंकाके सीजला
धी।।२।। [illegible]
येदुःमें जाये।। जाके [illegible] गर के [illegible]

स्वरनेंगुनगाये॥पुछुंमेंजंननीकेकुंवरसें
॥लंकाकेसीजाहे॥३॥ ॥पद॥१८
॥ ॥राग भेरी॥१९॥ ॥देखोरघु
वररंगभीजायो॥जेसीकुंवरीजनककीसील
रलरसावो॥देखो॥टेक॥हाथमेंझोरीकेपेर
पाकेदीलमें॥मुठीयांलरलरभीजावो॥जेसी
कुंवरीजनककीसीलरलरसावो॥देखो॥१॥सी
तारामलख मनलरपरीत्रुघना॥ल मन
मरभीजावो॥जेसीकुंवरी॰॥देखो॥२॥रीव
जनकादिक॥जोरप्र किशोरीजनक
सुखगावे॥जेसी॰ वरी॰॥देखो॰॥३॥जेहे
प्र हेपदता॥मुक्ता जेजु जनवे॥
जेसीकुंवरी॥देखो॥ ॥तेरीअयोध्यामें
राजमयीहे॥तुलसीमंगलगायो॥जेसी
कुंवरीकुंवरीजनकन लरलरलावो॥देखोरघु
वीररंगभीजावो॥५॥ ॥पदपुरा॥ ॥
रागकेदारो॥ ॥रसीयालजोभूनजे
जनारी॥लीयालेनेआ॥टेक॥स्वस्तिश्रीगुल

कगर ।। रीझ।। प्रीतम प्रान अधारी।। सर
वेउपमा लायक सांवरो।। श्रीकुंजबिहारी।।
चरनकमल जली गरी।। लीजलले पत्र श्री
जनारी।।१।।गो जगामग लीजलह नरी।
।। स्वामि कुंजबिस्तारी।। जदुनाथ जगत के जु
वन।। आंपी वो कुंजबिहारी।। मैं तामें लु घसी
तीहारी।। लीजलले पत्र श्रीजनारी।।२।।
वाकु [illegible] प्रेम आनंद [illegible] आनंदका
रीनाजरो लोजलछे [illegible] आया।। कुयांकु
गार मलाली।। [illegible]
ललपेत्र श्रीजनारी।।३।। जपंरंग [illegible]
प्रेम जेसी।। लेजने हृदय भी म्यारी।। नंदनेरी
घावृद्ध लये है।। आन मीली जे प्यारी।। जेर
न तकरीयो लगारी।। लीजलले पत्र श्रीज
नारी।।४।। आवत तो कुलाज लगत है।। घ
रमें घसी धारी।। लीजालेज है श्री घातत।।
के सालरे गारारीं।। रीझ मत आनो मोरारी
।। लीपिलले पत्र।।५।। सातसोगनमाय

संसारमेआदेखाजेसंसारी।। कन्हेयेजीके
जडीआहेयेरी।। मेंजम पिरानी।। अरां
मणगारी।।जीजे मेपत्रप्रीअनारी।।६।।
फागहलीमे ठीध्यय कुंहीनो।। जांयीयोजी
थीसारी।। नामप्रेलुअगतजनार्थ।।
फागहनफले ठीतारी।। नेसीयुधफ़ेतफ़मारी
।।लीजेलेनपेत्रप्री अनारी।।७।। ।।
पद १।।२।। ।।रागहोरीमारी।। ।।
तरीपाफ़रलायोजीनानी।।जेसोमेरोकुंपशु
मानी।।तरीयाणा।।टेक।।वाफ़ी अमड़ीतुमफ़र
लाजे।।ताड़ीजगममेंने अनीरायडे अाले
जेजगमजांहरो।।तेरीहोयगीसंकानीशे।।
नी।।जेसोमेरोकुंपशुमानी।।तरीयाणा।।
फ़हतमंहारी ३ नोपीयारावन।।छोडदीयो
अलीमानी।।रामलछुमनलरथरात्रुघन
।।साह्यरपाग्यजंघानी।।जेसोमेरोकुंपशु-
मानी।।तरीयाणा।।२।।जोजाजेरीं छजांह
रहोलुं।।येतयेत जानिमानी।।अमड़ीहे

र२ पायकेतुमाकुं छैलजी धूलघानीाजे
सोमेरो पे भानीातरोयागाउाजुघल
योरावन भास्योाहारगयो अलिमानीा
स[redacted] तुमारे मिलनकुंा सीताईपी
रजननीोजेसोमेरे गुमानीातरीयाव
धा ापेपदपुरोारधा ारागहोरी
ाररा ा गांजेओरनी रजीकरजुरेछे
ा ागांजेसंगजेलतहोरीाहोरीात-
माकुढीटेयनठोरीागांजे [redacted]
त[redacted] माजीाजेठी सोहनवा टोरीा
सा जेके जोटारत सजकुंा ...
जेरीा जगलसबनिंदाकरोरीा गांजे सं
जेलत होरीजीा गांजे जोरनी होरडीनारी
ाजरजुरेकरजेरीा साझीमें राडी सजझारे
गछा जबतो जयी थोरीा महीयरसेमें
[redacted]लाछेतीहोरीाागांजे रंगारा जांजमें तो
रीजरूलगाजेलीा जेसी जतजघोरीा जा
नाजंगीकरे सजकासंगाालयलीतलूतजे

न्योरी॥ गांन्हे तेग अजकरौरी॥ गांन्हे संग॥३॥
त्लां ग अजकीम रु रंपान सब कुछ॥ केहू करो चोरी
चोरी॥ गांन्हे कु घरमें मत आईयो॥ (ग) रकी अग
तमें चोरी॥ मानो रीजर्छत नी कु मोरी॥ गांन्हे
संग खेलत होरी॥४॥ कहे धनयंतरी ध्यान धरनकुं
॥ अन्ने शीपी अजे करत्नेरी॥ ओर पी अजे या की अजकल
न्य गी॥ अमर गली में ओरी॥ आत पड़े की
ओली॥ गांन्हे संग खेलत होरी॥५॥ ॥
पद पुंगार ४॥ ॥ राग होरी॥ ३॥ ॥
मोहे सांवरेने गारी दई॥ दई रे दई मैने कछु ना
कही॥ मोहि॥ टेक॥ छल मथुरां छत गोकुल नगरी
॥ बिच में जमुना बही॥ आप तो सैयां पार
उतर गये॥ मैं तो तकती की तकती रही रे॥ दई मैने
कछु ना कही॥ मोहे सांवरे ने गारी दई॥१॥ घोड़ प
ड़ुं तो पकड़ान न्हेवा॥ दोहा रा देखें ड़री॥ मन की द
ईयां कछु कहन रा कतकु॥ मोरे मन की मन मांर
हीरे॥ दई मैने कछु ना कही॥ मोहे सांवरेने गा
री दई॥२॥ ॥ पद पुंगार ३॥ ॥ राग दे

री॥२४॥ ॥फांदे मिरजनने धूम मचाई
॥आजस्नमरीरसे जेलेंगीहोरी॥जा॥रके
॥सीपनसीजपतियां नेकु लेला॥कुनोजे
दियोंसील [illegible] न्नेहटे तोक्समनजीको
॥तुमकुरामदुधाग॥आजस्नमरीरसे॥॥
[illegible] लोजाले॥तोपनडीपीयकडी
॥रंगगुलालतलवारयल तडे॥कुमर [illegible]
जा॥गें॥जाडू॥ [illegible] मार
जनेगा॥रा॥ ॥पेरपुडूं॥२४॥ ॥
रागहोरी॥१पे। ॥आअवसरनहीं
आवेहूँरीहूरी॥टेर॥जेड॥जेठी॥ठो॥अंगन
में॥जजमें आईकुं हेरी॥पलोसणीसज
मीस नईआ॥सीनेसाल घेरी॥चलो
तुमसंगअमेरी॥आ॥अवसरनहीआवे
हूरी॥१॥ज सपच्चीसजयलोपकरी॥हम
सजरोडेगें सेरी॥जजअवकासलयो॥आ
नेको॥हु [illegible] वंग हेरी॥सेजासजला
यंगो हेरी॥आ॥अवसरनहीआवे हूँरी॥२॥

कृतानंद मगन छबीनीरखता॥ कहांजेरंग भ
रते थोरी॥ रहो ईन संग रतीभोरी॥ श्रीलमें
होरीखेलतहोरी॥४॥ ॥पद॥ [illegible]॥
॥ ॥नामघार रीठ. स्वर. नमरो॥ [illegible]
[illegible] होरी॥ ॥[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
र॥ [illegible] ॥ धारे यंदन [illegible]
[illegible] ॥ लाल मिलाई॥ [illegible]
कुम भरे सरा॥ पीचकारनमारे [illegible]
[illegible] होरी [illegible] ॥ लारी॥ ॥
अतर मोहोपर रोरानना मही॥ [illegible]
परधारो॥ नकुयालहे [illegible] ॥
[illegible]
॥ होरी [illegible] नालारी॥ ॥ [illegible]
सेजन्याहे [illegible] ॥ [illegible]
हायमनाम [illegible] ॥ [illegible]
लारी॥ रहे [illegible] गारी॥ होरी [illegible]
नालारी॥ ॥ [illegible] मयरमसो

साजेतकरमेंहैतेरी॥ायेहीनेडीतेरीनगमेजन्हे
॥म्यंद्रन्योतउनिज्यारी॥जेसीतेरीगुल्हेन्या
री॥होरीडीरचनान्नारी॥बातनमनधनसेंतु
सेवाकरतहूं॥२तधनचीत्य ॥री॥सो अना
यजरीजहोघात॥स॥ जनामहीआरी॥सह
नोहे ल नहीं प्यारी ॥ तेरीडी॥ ॥रिगुलग
ंरीगुललहमुत में॥र दरनरतनपाछे ॥ंद
भाग्यसुलाग्यपुत्रहो॥सजपरमायाहैतीह
री॥घरोघरन्यनन्यहारी॥ आनहोरीडीगा॥
॥सुरछत्रतुंसघासडीजो॥ ओरसलामतस
जबाडी॥आलगोपालतेरीलुगोलुगजयो
॥जेसीप्रीततीहमारी॥शारमरजेमो लालुमा
री॥आलहोरीडी॥७॥ ॥पदहुरता ॥
राजाहोरी॥रता ॥तेरीरचनाहै रहेगर्ह
नारी॥धन्यधन्य जारोनेट जहाुरा॥तेरी॥दक
॥जरूत्यउछोगपीयकारीजनाधे॥डीरतीडीक्से
रजनीं॥ रामंघ ॥ोश्वालउजाया॥ ध्यसे
मलरमा नगछनगतसारी॥२ रीत

हे गर्भत्नारी॥ ॥म्भापे ॥म्पलनेअत्नयाहुं
कृ॥ ॥भलकुगावेनामहारी॥कायम॥ ॥हीया
हे लगामें॥ ॥म्भोरकामरलअत्नावी॥रे ॥गछे
रीथे हृपाहगारी॥तेरीरचनाधारा॥ छुनहीभे
हत्नेहन्नतीकी॥ ॥उपुउषकांनारी॥ ॥न्नेर्छन्नेकी
न्नपे रतोर्छकृघुपावेप रनअको मके अात्नारी
॥अेस्तोतुंभरजीपकाती॥ ॥तेरी॥ ॥ठातअम
नथनसे सेयाकीनी॥ ॥उोर रामनामकीयारी
॥राउंभनाथैगरीजकोहाता॥ ॥हयाहानअलत्नारी
॥हो रकीनथनथकानी॥ ॥तेरीरचना॥ ॥राधुलघरी
रिुलनगन मुकुरतमें॥ ॥सुंदरन्नमलीयारी॥ ॥घन
घनत्नाग्यकुंदुअको॥ ॥सजकीमीपततेंटारी॥ ॥हीयाह
रधीजारी॥ ॥तेरीरचना॥ ॥पा॥ ॥पाउनन्ननेमंथरमकी
॥पुरनत्नक्किलीकारी॥ ॥येकीनेकीते रीलगमेजल
कुरही॥ ॥होणिन्ननजीन्नयारी॥ ॥भेकुंठमेंअन्नतहेला
री॥ ॥तेरीरगा॥ ॥उा॥ ॥जेसोसुरनरसुन्योनदेथ्यो॥ ॥पुर
ननरभयतारी॥ ॥कीरततेरीकभलगअरनुं॥ ॥लर्ण
रसन्नाभेयारी॥ ॥लेअनीकेहमेंकारी॥ ॥तेरीरगाउ

॥यीर॰ चीर ॥तीनोलाछै॥रोला॥मानरच्यो
री॥अपनेपीताकीसेवाकुरके॥मनमेंनसलीयोरी
सुभसनकीहोदीयोरी॥तेरीरचना॥टा॥मनुरसु
ननतेफना॥मफुरी॥या॥कुंमकुजपरवारी॥स
बकुंहीलमीलच्या॥फूलता॥जेतमा॥जनगोप्या
री॥लीनताकोतोशीन्यारी॥तेरीरचना॥अरजीट
नमेंपुरीहे॥मके॥प्रकशीलयोअतिन्यारी॥अ
मीरअमरायसभमिलतअमंगसे॥प्रेयाननेअ
त्सवकीयोरी॥मानसबमीलकेदीयोरी॥तेरीर-
चना॥ना॥रान॥भेहेलमें॥ममम्यो॥हे॥महीमा
मिलनकीतैयारी॥प्रेमकील्नेटलघरानीसुं॥वे
ल॥ भबारोनेटअ॥ ॥ रंधर ॥ रालताबि
यारी॥तेरीरचना॥ध॥नगामगल्योतन
तपेरशेरीना॥गोरान्नलार्छम्जो॥कीन्नेरी॥॥त्र
होकीत्र न्नुगोन्नुग॥जी थो॥ अहीहै बीनती हमा
री॥रीर मरजे मौलातीहारी॥तेरीरचना॥
॥ ॥पिरंपु ॥२८॥ ॥राग नरी॥अ॥
॥ ॥बोधं ना॥वियोगविरोनी ॥

नणदीकेमनाथिनआव्या॥ नआव्या॥ नणदबा
टेक॥ म्हेनेजेणेपरदेरीमां नईमेला॥ ऊमन
भाया॥ भी यिवेदूरीघरन्हामुंनम्हेयुं॥करोऽस्रं
देरोमेंकहाव्या॥फागण आकलाजेजआव्या
॥नणदीकेमनाथिनआव्या॥१॥ पंणीनेतुर
तनघापरदेरो॥ सोसंगाथसीधाव्या॥ मांहं
ठहुंउरुंमेनमान्युं॥कओऽ तरे आरकाव्या॥र
ह्यानहिंमारारोकाव्या॥नणदीनारा॥नुरआ
पीनघानायमांन्यारो॥नवानथालारतनरा
व्या॥ अवे समे छांटा आंसुना॥ भारीआं
भेथीफूजभराव्या॥ जवथेमटमासकरा
व्या॥नणदीकेमना॥३॥ भरे भरासमभारछेज
पीत रीढीर॥ पेस्यास आणाव्या॥ नरज
रथेनलपेंथेनधान्या॥ आगणीतगुणतोग
णाव्या॥ भलाल लालेदमणाव्या॥नणदी
॥४॥ भरु जंदर जंदरनछने॥मुलथी
मालमंगाव्या॥लालमल्योतेथीलोलीया
पईमो॥लोल यो ललगाव्या॥लोलेसम

लारेलगाव्याााानएहीमोपाा ।हल्नेतांहसघरस
वीत्यांपणाालाले ।ईनाजन्नव्याान्नेज ।जे
रतोन्नयछेक्लधीानी ।रैाणगारसन्नव्याााल
लानहिंबेषन्नकनव्याानएहीमहााामुहलहीया
लीलाहीवसनीहीघीाावायघलोतेवरव्याा
रीमपरपर्वीहूागएनीलणीााजेपणाहिवस
तोजाव्याााहरणेहर्ठजेनहीउपन्नूव्याान
एहीाषाारंगरमेहोरीमणीनेसाहेलीााकेसुरे
गरयाव्याापिर ग्योनेव्यारीपरस्पेरछांटा
मनोहरपे लमव्याव्याानएहीगाटाातालमू
ंगावीयाज जाले ााराागररीकुगवराव्याा
टीर हणीनेतावीरीषवषेहुजाावीषनारोपये
पाव्याा ाव्याणाजोहजापपलाव्याााजा गहीकेमना
पनजाव्याााल्नायंपायंजेलीनेगुलाजम्पोह
रोााहूलके हूलीहूलाव्याा ाल्नोपणीनेकोर्ठजे
मुक्लरथारनेाा लानन्नूरलूलाव्याााहांतोर
हेवाहपूलाव्याानएहीकेमनाघनजाव्याा

पईनै माव्या॥कांतो कोइजे ॥ राम्जव एकह
रही॥मुनलरयारलमाव्या॥कोएजेथी जकलक
माव्या॥नएदीके मनाथनजाव्या॥प॥करजीया
लवनानज्यांनएदी॥ऊरमांजंगाराधीजाव्या॥हल
पतरामना॥देवनेकंकुंवुं॥पीयुथी वियोगरयाव्या॥
जेपालेम्हेमलजाव्या॥नएदीके मनाथनजा
व्या॥रा॥ ॥पदेपुंगू॥रला ॥रागहो
री॥ ॥पालागेहरन्ने री॥स्यामममोसेजे
लोनहोरी॥पालागे॥टेक॥ ॥गोजांग्रा
वनमेंनिकसीकुं॥लासुनएदहीव्योरी॥लघरी
युंदीयांरंगमेंनलींक्यो॥छतनीसुनोजात
मोरी॥स्याममोसेजेलोनहोरी॥प॥छीलअप
दपिसेंगागरा॥न्नेदसेंअदीयां मरोरी॥दील
धरकतहे सासमरतहो॥देन्कंपतहे मोरी॥स्या
ममोसेजेलोनहोरी॥रा॥जणीरगुला॥लप
गयेमुखमें॥सानीरंगमेंमोरी॥रनासहन्नर
नगारीहेंगी॥जालमकता॥नछोरी॥स्याममो
सेजेलोनहोरी॥३॥गुंगमेलरे तुमनेरेमोह

॥ ३ ॥ जग तजी दीसो री ॥ हांजी एक से ऐक ल
हके आगे ॥ होय हुं पोरी पोरी ॥ श्याम मोसे जेलो
न होरी ॥ ४ ॥ ॥ पद ९५ ॥ ठेका ॥ ॥ राग
होरी ॥ ३ ॥ ॥ ३ ॥ ना समजवत न कोई ॥
अंगीयां रंग में लीं न्ले है ॥ मेरी अन्न में पलटो
ही ॥ ज्ञाना हुं ॥ टेक ॥ ॥ जा अन्न सजी हमंथ न में
नफे ॥ प्रीत की न नफो कोई ॥ अजी गुलाल ठ
डाय न आल रा ॥ मोहो जांसु वो से छे ॥ ज न
माटी में मील्यो छै ॥ ज्ञाना हुं समज वत न कोई
गरवाल गाध यो गो रा ये ॥ मेहेश ॥ मो पेरु ठाने
जरो घे ॥ छैन तली नी गा री दीनी षा हम जन हुं
भ्यो है ॥ सपी जीज आय देखो छे ॥ ज्ञाना हुं सम
जवल न को है ॥ ३ ॥ जेठ जेठ ओ न रे लो हन में ॥
जरी घा जी स पो छे ॥ वा न्ने भ जर गी स्ला ह्ने
पाछे ॥ घर हाथि से मपो छै ॥ नी कुल करन्ने ग
हो छे ॥ ज्ञाना ॥ समजवत न कोई ॥ ३ ॥ ॥ पद ९
६ ॥ ठेका ॥ ॥ राग होरी ॥ ३३ ॥ ॥ आ
त्मज्ञान विषे ॥ ॥ ५५ ॥ जसंतो ॥ आयो ॥

छी॥ द्रुपेडार अंगीन जीयहै। तोसाजेत्यागी
द्रोपदीछो॥ स्याम मोकुं येरी ढाढा॥ जेसीहो
वीजेलाछो॥ ५॥ ॥ होरी॥ ३२॥ ॥
फागनके दीन च्यार सखीरी अपने पीया मो
से भागे खेलुंगी॥ टेक॥ नीरखी खेलुंगी
मोतीजी खेलुंगी॥ और खेलुंगी होला जना सखी
री॥ १॥ और हुं भागे जो खेलुंगी॥ कुं
वहीयोना जया रखीरी॥ २॥ ॥ पद॥ ३३॥
राग होरी॥ ३॥ ॥ आंगन खेलत ग
दा॥ हीसांवरीयो मोरे आंगन॥ टेक॥ ॥
दुनारीडु हांथां रंगमें भीजनछे॥ अपनी जया
वतपागरा॥ सखी सांवरीयो मोरे आंगन खे
लतफागन॥ १॥ ॥ राग होरी॥ ३४॥ ॥
होछीडारनेस्याम जनमें॥ मैं तो कुबजीरी मधुबन
में॥ होछो॥ टेक॥ जेसा नतन जताहो सखीरी॥
नेपीया आये जनमें॥ होछेडारनेना॥ गोकुल
कुंडीमें नवलहुंसी॥ कुबजीरीमद जनमें॥ होछी
डारनेना॥ पद॥ ३५॥ ॥ राग होरी॥ ३६॥ ॥

नीननाथसेनेह जदायो॥ [illegible]॥ ॥
तरुवर सजलये नवपल्लव॥ [illegible] मन
॥रसायो॥ [illegible] कमलकुरंगरंगके॥ मुनी
[illegible]॥ [illegible] तांहां [illegible]॥
[illegible] मीलला [illegible] तारंजपंडी
॥ [illegible] यो॥ [illegible] पुष्पज
घा [illegible] गु [illegible] ॥ यो॥ पीयासेप्रेमल-
गायो॥ [illegible] ॥ [illegible] पुनह
लीनो॥ [illegible] यो॥ ध्यानधूपसु
विचार आरतो॥ [illegible] दीप [illegible] गायो॥ ज
[illegible] अंधेर [illegible] गायो॥ [illegible] संतीज
यो॥ [illegible] शरणागतवत्सल प्रभु [illegible] ॥ ला [illegible]
लोग [illegible] नायो॥ [illegible] छोटम श्रुति [illegible]
[illegible] गायो॥ [illegible] सुखसेहे [illegible] पायो
[illegible] संतीआप [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ऐसी [illegible]
[illegible] मो [illegible] ॥ ऐसी॥ [illegible] ॥
[illegible] नामें॥ कीनेमेरी [illegible]